नई दुनिया 30/12/2019

कंप्यूटिंग के क्षेत्र में सबसे बड़े इंस्टीट्यूट से जुड़ा आईईटी

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) का स्थान प्रदेश के इंजीनियरिंग संस्थानों में दूसरे नंबर पर आता है। संस्थान इस पोजिशन को बनाए रखने के लिए कई तरह की कोशिश कर रहा है। इसमें कई इंटरनेशनल संस्थानों के साथ मिलकर भी काम किया जा रहा है। इसके तहत अमेरिका के एसोसिएशन फॉर कंप्यूटिंग मशीनरी (एसीएम) से भी संस्थान जुड़ गया है। एसीएम चैप्टर की शुरुआत संस्थान में हुई है। इसके तहत समय-समय पर सेमिनार, वर्कशॉप, हाई क्वालिटी कंप्यूटिंग कांफ्रेंस और टेक्निकल इवेंट आयोजित किए जा रहे हैं।

देवी अहिल्या विवि का आईईटी संस्थान वर्ल्ड स्तर के कंप्यूटिंग एसोसिएशन से जुड़ गया है। ● फाइल फोटो

तकनीक और ज्ञान

- कई संस्थानों से जुड़कर आईईटी कर रहा है काम
- एसीएम चैप्टर शुरू होने से विद्यार्थी हो रहे लाभान्वित

ग्लोबल लेवल की जानकारी हो सकेगी शेयर

एसीएम का मकसद दुनियाभर के देशों में संचालित होने वाले इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक और कंप्यूटिंग के क्षेत्र में जागरूक करना है। इसके तहत आईईटी के विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहते हैं। आईईटी में कई टेक्निकल फेस्ट भी विद्यार्थियों ने चैप्टर के तहत कराए हैं। इसमें दुनियाभर के विशेषज्ञ वक्ता के रूप में शामिल होकर आधुनिक टेक्नोलॉजी के बारे में विद्यार्थियों को बता रहे हैं। आईईटी के डायरेक्टर डॉ. संजीव टोकेकर का कहना है एसोसिएशन चैप्टर की जिम्मेदारी विद्यार्थी खुद संभाल रहे हैं। इससे सिर्फ हमारे संस्थान के ही नहीं, बल्कि प्रदेशभर के इंजीनियरिंग विद्यार्थियों को फायदा मिल रहा है। एसीएम जैसे और भी वर्ल्ड लेवल के एसोसिएशन हैं, जिनसे भी संस्थान जुड़कर काम कर रहा है।

एसीएम से जुड़ने के बाद संस्थान में अब आईआईटी लेवल के आयोजन होने लगे हैं। पहले विशेषज्ञों को सुनने और टेक्निकल फेस्ट में शामिल होने के लिए प्रदेश के विद्यार्थियों को बाहर के शहरों में जाना पड़ता था, लेकिन अब आईईटी में यह सब होने लगा है।

वेबसाइट पर रजिस्ट्रेशन कराकर एसो. से जुड़ सकते हैं

यूनिवर्सिटी के आईईटी की वेबसाइट पर एसीएम इंदौर चैप्टर से जुड़ने के लिए ऑप्शन उपलब्ध कराया गया है। यहां प्रदेश का कोई भी इंजीनियरिंग विद्यार्थी चैप्टर से जुड़ने के लिए संपर्क कर सकता है।

आईईटी ने चैप्टर की जिम्मेदारी कुछ विद्यार्थियों को दे रखी है। एसीएम इंदौर के नाम से सोशल मीडिया के पेज भी बनाए गए हैं। यहां से भी विद्यार्थी चैप्टर से संपर्क कर सकते हैं। आईईटी के असिस्टेंट प्रो. सीपी पाटीदार का कहना है कि चैप्टर के तहत कई ऑनलाइन एक्टिविटीज भी कराई जाती है। इसमें प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर के हजारों विद्यार्थी एक साथ जुड़ रहे हैं।

कई तरह की टेक्निकल कॉम्पीटिशन भी होती है। इसमें अवार्ड और कई तरह के गिफ्ट जीतने के मौके भी विद्यार्थियों के पास होते हैं।